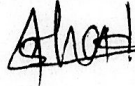


तारीख
हुकम

12/6/24

पत्रावली पेश हुई। वकील वादी अनु।
व्यामहीत में एक शकसर दिमा जाकर
वास्ते बरम हेतु दिनांक 18/6/24
को पेश हो। 

18/6/24

पत्रावली पेश हुई। आज स्थानीय बार
एसोसियेशन का कार्य स्थगन किया हुआ
है। पीठासीन अधिकारी अन्य राजकीय कार्य
में व्यस्त हैं। पत्रावली साबिक आदेश
दिनांक 9/7/24 को पेश हो।

आज्ञा से रीडर

9/7/24

पत्रावली पेश हुयी उभयपक्ष
पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य से व्यस्त
वकाश में है। पत्रावली साबिक आदेश
दिनांक 27/9/24 को पेश हो।

आदेश से रीडर

23/9/24

पत्रावली पेश हुयी उभयपक्ष
पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य से व्यस्त
वकाश में है। पत्रावली साबिक आदेश
दिनांक 18/11/24 को पेश हो।

आदेश से रीडर

18/11/24

पत्रावली पेश हुई। प्राचीन अधिवक्ता 340
विपक्षी स 01 से लगाम न 04 के अधिवक्ता
उपरिस्थित। विपक्षी स 01 से लगाम न 04 के
अधिवक्ता ने जमान पेश वती दिनांक 18/11/24
अधिवक्ता की कटौत सुनी गयी। प्राचीन
अधिवक्ता ने कहस से कसामा रिफाउरत
ग्राम सिपरिमा ल तहसील मीलवडा की 340
1691, 1692, 1358, 1737/2, 1425, 1541, 1602
प्राचीन विपक्षीगण की संपत्ति हर-अधिवक्ता
की भूमि है। प्राचीनग ने वाफउरत आरामी के
विभाजन हेतु एडवोकेट हथर से उद्दत उर
शख है मिलाउ निस्तरण में समप बगने की संपत्ति

~~हो प्राचीन के प्रार्थना पत्र पर रिपोर्ट~~
~~10-11-22 को अन्तिम निवेदाशा किये~~
~~विपक्षीगण से जारी की गयी है। विपक्षीगण~~
~~किमा किमा मय बुराये बरगुरत आक्षीपन~~
~~को अन्तरण करने पर आम्दाये मिले~~
~~प्राचीन से अपुरणीय रहने लगी। अब~~
~~अस्थायी निवेदाशा को मूल वाक इतिहास~~
~~तु सुझायी गये। विपक्षी सं ० १६०५~~
~~के अधिवक्ता ने अपनी छह मं वरान~~
~~दि वादग्रह आरागी से विपक्षी के राशि~~
~~रिपोर्ट में दर्ज हित्ते अड्डार विभाग~~
~~कने से हापनि नही है। प्राचीन~~
~~प्राचीन पत्र पर अस्थायी निवेदाशा~~
~~विपक्षीगण से हब हित्ते को होउउर~~
~~जारी कने से हापनि नही है।~~
~~प्राचीन के प्रार्थना पत्र एवं~~
~~प्राचीन से उपलब्ध दस्तावेज का~~
~~अहमयन किमा गरी वादग्रह आक्षीपन~~
~~रामत रिपोर्ट अमरीकी संख्या २०६९-१३ (~~
~~अमावसी ००११) के खानस २३ में ग्राम~~
~~सिद्धिमासे के अ.न. 1691, 1692/11,~~
~~एक खाना सं ० 24 में 1425, 1541,~~
~~1602, एक खाना सं ० 22 के अ.न. 1358,~~
~~1737/2 में प्राचीन एवं विपक्षी सं~~
~~1 से लगाकर ०५ सम्पन्न खानेदार~~
~~दर्ज रिपोर्ट लो प्राचीन वादग्रह आक्षीपन~~
~~के सम्बन्ध में मूल वाक के निरतारण तउ~~
~~विपक्षीगण से किन्ह अस्थायी निवेदाशा~~
~~प्राप्त कने से अधिवक्ता है अतएव~~

आदेश

प्राथमिक के कार्यालय पर अन्तर्गत 212 P/A
लीडर दिया जाउर ग्राम सिद्धिमास पं० नं०
सिद्धिमास नं० भीलवाड़ा के अंतिम. 1691, 1692
1358, 1357, 1425, 1541, 1602 भूमि के सम्बन्ध
में आस्था भी निवेद्या कि वह विपरीत वस
आशप ही जारी ही जाती है कि मूल का है
नित्वाण नर उपरोक्त आरामिमान ही यथास्थिति
रही जावे। तहसीलदार भीलवाड़ा को निर्दिष्ट ही 1.
पुनः चेकिन ही जावे। पुरान फ़ैसल सुमार 2.
होउर नं० से उम होउर मूल का है साथ
संलग्न है।


सुपरव्हाइजर अधिकारी
भीलवाड़ा